दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शुक्रवार 21 मई 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 230

महत्वपूर्ण एवं खास

दूसरी बार केरल के मुख्यमंत्री बने पिनराई विजयन

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। माकपा नेता पिनराई विजयन ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए केरल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने यहां सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित समारोह में 76 वर्षीय विजयन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। पिनराई के साथ 21 कैबिनेट के सदस्यों ने भी मंत्रीपद की शपथ ली। समारोह में कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन किया गया था। विपक्षी कांग्रेस नीत यूडीएफ के नेता कोविड-19 की वजह से समारोह में शामिल नहीं हुए। नए मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री को छोड़कर पुराने चेहरों में केवल जेडीएस नेता के. कृष्णनकुट्टी और एनसीपी नेता ए के शशींद्रन शामिल हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन में प्रमुख साझेदार माकपा और भाकपा ने इस बार पिछली सरकार के किसी भी मंत्री को बरकरार नहीं रखने का फैसला किया है। 6 अप्रैल को केरल में हुए विधानसभा चुनाव के बाद दो मई को आए नतीजों में एलडीएफ को जीत मिली थी। एलडीएफ ने केरल में अपने प्रतिद्वंद्वियों-कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) और एनडीए को हराकर 99 सीटें जीतकर सत्ता बरकरार रखी है, जबकि यूडीएफ केवल 41 सीटों पर जीत हासिल कर सकी। बीजेपी एक भी सीट जीतने में कामयाब नहीं हो सकी।

कोविशील्ड के तीसरे बूस्टर डोज से मजबूत होगा कोरोना रक्षा कवच

नई दिल्ली (आरएनएस)। एक अध्ययन रिपोर्ट में पाया गया है कि ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के कोविड-19 वैक्सीन कोविशील्ड का तीसरा बूस्टर डोज बीमारी से बेहद मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है और यह कोरोना के सभी स्ट्रेन से बचाने में शरीर को सक्षम बनाता है। भारत सहित दूसरे देशों में इस टीके के अभी दो डोज लगाए जाते हैं। दोनों डोज में अलग-अलग देशों में 28 दिन से 16 सप्ताह तक अंतर रखा जा रहा है। फाइनेंशल टाइम्स की एक रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया कि तीसरा बूस्टर डोज कोरोनावायरस स्पाइक प्रोटीन के खिलाफ शरीर में एंटीबॉडी को बढ़ाता है। बूस्टर डोज ने जो एंटीबॉडी रिएक्शन पैदा किया वह कोरोना वायरस के किसी भी वेरिएंट को रोकने में पर्याप्त सक्षम है। 2019 के अंत में महामारी की शुरुआत के बाद से यह वायरस लगातार अपने स्वरूप में बदलवा कर रहा है और आगे भी इसमें म्यूटेशन की संभावना है। स्टडी ने उन चिंताओं को भी दरकिनार कर दिया है कि एडीनोवायरस आधारित वैक्सीन बूस्टर डोज के लिए आदर्श नहीं है। दुनियाभर में टीकाकरण की रफ्तार तेज होने के बीच वैक्सीन उत्पादकों ने दावा किया है कि हर साल बूस्टर डोज की जरूरत होगी, क्योंकि वायरस में बदलाव होता है और कभी इसका स्वरूप अधिक मारक हो सकता है।

सरकार ने किसानों के हित में एकमुश्त उर्वरक सब्सिडी बढ़ाने का लिया ऐतिहासिक फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डी वी सदानंद गौड़ा ने आज आगामी खरीफ सीजन के लिए डीएपी और अन्य फॉस्फेटिक और पौटेशिक उर्वरकों के लिए सब्सिडी दरों को एकमुश्त बढ़ाने का ऐतिहासिक फैसला लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक आभार जताया। उन्होंने कहा कि इससे लाखों किसानों को काफी लाभ होगा। इस बात पर ध्यान दिया जा सकता है कि फॉस्फेटिक और पोटासिक (पी एंड के) उर्वरकों की कीमतें नियंत्रण से मुक्त हैं और निर्माता अपने उत्पाद की एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। हाल के महीनों में, डी-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) और इसके कच्चे माल जैसे फॉस्फोरिक एसिड, अमोनिया और सल्फर जैसे तैयार उर्वरकों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में 60 से 70 प्रतिशत की भारी उछाल आयी है, जिसकी वजह से उनकी घरेलू कीमतों पर दबाव पड़ रहा है।ह्व

वनधन योजना द्वारा ग्रामीण महिलाओं में उद्यमशीलता को मिल रहा है बढ़ावा

नई दिल्ली (आरएनएस)। वनधन जनजातीय स्टार्ट-अप और लघु वनोत्पाद (एमएफपी) पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणालीजंगल के उत्पादों को जमा करने वाली जनजातियों को उनके उत्पादों की बिक्री की सुविधा प्रदान करती है। इसके अलावा जनजातीय समूहों के जरिये मूल्य संवर्धन की सुविधा भी देती है। ये पहलें ट्राइफेड द्वारा की जा रही हैं। ट्राइफेड, जनजातीय कार्य मंत्रालय के अधीन काम करता है और उसने इस चुनौतीपूर्ण समय में रोजगार सृजन द्वारा जनजातीयों के आर्थिक दबाव को दूर करने में अहम भूमिका निभाई है। कामयाबी की हमारी एक खास दास्तान है, जिसकी हाल में बहुत चर्चा रही है। वह दास्तान राजस्थान के एक वीडीवीके समूह से जुड़ी है।

राजस्थान में पिछले वर्ष 3019 वनधन विकास केंद्रों को 189 समूहों में शामिल किया गया था। ये समूह लगभग 57,292 लाभार्थियों की मदद कर रहे हैं। आज की तारीख तक वनधन विकास केंद्रों को 2224 वनधन विकास केंद्र समूहों में समेटा गया है। प्रत्येक समूह में 300 वनवासी हैं। पूरे देश में ट्राइफेड ने दो साल से भी कम समय में इनकी मंजूरी दी थी।

राजस्थान के इन समूहों में से एक समूह वनधन विकास केंद्र समूह, नाथ राजीविका, मगवास की एक शानदार दास्तान है।

अपनी दिग्गज उद्यमी मती मुगली बाई की जानदार रहनुमाई में, वीडीवीके समूह ने कम समय में ही हर्बल गुलाल की भारी मात्रा में बिक्री की। बताया जाता है कि 5,80,000 रुपये की बिक्री हुई।

उदयपुर में झाडोल के जनजातीय लोग इलाके के घने जंगलों से ताजा फूल जमा करते हैं। वे पलाश, कनेर, रांजका और गेंदा के फूल जमा करते हैं। जमा किये हुये फूलों को नाथ वनधन विकास केंद्र, मगवास ले जाया जाता है। फूलों को बड़े-बड़े बर्तनों में पानी में उबाला जाता है। यह प्रक्रिया दो से तीन घंटे चलती है, ताकि पानी में फूलों का रंग पूरी तरह उतर आये। यह रंग फूलों का स्वाभाविक रंग होता है। इसके बाद रंगीन पानी को छाना जाता है और उसमें मक्के का आटा मिलाया जाता है। इसमें गुलाब-जल मिलाकर उसे आटे के रूप में पीस लिया जाता है। जनजातीय लोग इसके बाद हाथ से शुद्ध किये हुये हर्बल गुलाल को सुखाते हैं और कोई कचरा आदि हो, तो उसे निकाल देते हैं। शुद्ध गुलाल को फिर आकर्षक पैकटों में बंद करके बेच देते हैं! इन पत्तियों से हर्बल गुलाल बनाने के काम में 600 से अधिक महिलायें लगी हैं।

उद्यमशीलता की यह अनोखी दास्तान युगों पुरानी परिपाटी और परंपरा के बल पर चली आ रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि वनधन योजना किस तरह जनजातीय आबादी को लाभ पहुंचा रही है।

एक वनधन विकास केंद्र में 20 जनजातीय सदस्य होते हैं। ऐसे 15 वनधन विकास केंद्र मिलकर एक वनधन विकास केंद्र समूह बनाते हैं। वनधन विकास केंद्र समूह (वीडीवीकेसी), वनधन विकास केंद्रों को बिक्री, आजीविका और बाजार तक पहुंच और उद्यम अवसर प्रदान करते हैं। विदित हो कि 23 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के जंगलों के उत्पाद जमा करने वाले लगभग 6.67 जनजातियों को उद्यमिता का अवसर मिला है। कार्यक्रम की सफलता इस बात में देखी जा सकती है कि 50 लाख जनजातियों को पहले ही वनधन स्टार्ट-अप कार्यक्रमों का लाभ मिल चुका है।

जनजातीय आबादी की आजीविका में सुधार लाना और वंचित व जोखिम वाले जनजातीय लोगों के जीवन को बेहतर बनाना ट्राइफेड का मिशन है।उम्मीद की जाती है कि वनधन योजना पहल के बल पर आने वाले दिनों में कामयाबी की ज्यादा से ज्यादा दास्तानें सुनने को मिलेंगी। इससे इससे 'वोकल फॉर लोकल'और आत्मनिर्भर भारत की भावना को ताकत मिलेगी तथा जनजातीय लोगों की आजीविका, आय और जीवन में सुधार आयेगा।

देश में महामारी घोषित हुई ब्लैक फंगस बीमारी

» केंद्र सरकार ने राज्यों को महामारी घोषित करने के दिये निर्देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने कोरोना मरीजों में हो रही ब्लैक फंगस यानि म्यूकरमाइकोसिस को महामारी घोषित करने के लिए राज्यों निर्देश जारी किये हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि ब्लैक फंगस को महामारी रोग अधिनियम 1897 के तहत महामारी घोषित किया जाए। केंद्र ने राज्य सरकारों से कहा कि इस संबन्ध में हर पुष्ट और संभावित केसों की जानकारी भी केंद्र सरकार को उपलब्ध कराई जाए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह भी कहा है कि ब्लैक फंगस की वजह से कोरोना मरीजों में मृत्यु दर बढ़ रही है। हरियाणा, राजस्थान और तेलंगाना जैसे राज्य पहले ही ब्लैक फंगस को महामारी घोषित कर चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने राज्यों को लिखे लेटर में कहा है कि हाल के दिनों में म्यूकरमाइकोसिस नाम का एक फंगल इन्फेक्शन नई चुनौती के रूप में सामने आया है। कई राज्यों में यह कोविड-19 के मरीजों में देखने को मिल रहा है, खासकर उन मरीजों में जिन्हें स्टेरॉयड थेरेपी दी गई और शुगर लेवल कंट्रोल में नहीं है। संयुक्त सचिव ने लेटर में लिखा कि यह फंगल इन्फेक्शन कोविड 19 मरीजों को लंबे समय तक बीमारी और मौतों की वजह बन रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि सभी सरकारी, प्राइवेट स्वास्थ्य केंद्रों, मेडिकल कॉलेजों को म्यूकरमाइकोसिस की स्क्रीनिंग, डायग्नोसिस, और मैनेजमेंट के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय और आईसीएमआर की ओर से जारी गाइडलाइंस का पालन करना होगा।

देश में जारी कोरोना संक्रमण का कहर, 24 घंटे में 2.76 लाख नए मामले

नई दिल्ली (आरएनएस)। वैश्विक कोरोना महामारी की दूसरी लहर का देश में प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण से होने वाली मौतों में कमी देखी गई है, तो वहीं नए मामलों में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देशभर में जारी कोरोना महामारी का प्रकोप में पिछले एक दिन में कोरोना के 2,76,110 नए मामले दर्ज किये गये, जिसके बाद देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,57,72,440 हो गई। वहीं पिछले 24 घंटे में संक्रमण से 3,874 की मौत हुई

है, जिसके बाद देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,87,122 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में भी कमी आई है, जिससे देश में अस्पतालों में इलाज कराने वाले कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 31,29,878 रह गई है, जो कुल मामलों का 12.14 प्रतिशत है। वहीं कोरोना को मात देकर ठीक होने वालों की संख्या भी तेजी के साथ बढ़ रही है। मसलन देश में अब तक कुल 2,23,55,440 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जिनकी राष्ट्रीय दर बढ़कर 86.74 प्रतिशत हो गई है। जबकि देश में कोरोना संक्रमण से मृत्यु दर 1.11 प्रतिशत है।

आठ राज्यों में 69 फीसदी मरीज

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि देश के कुल सक्रिय मामलों का 69 फीसदी सिर्फ 8 राज्यों में हैं। 21 राज्य ऐसे हैं जहां रोजाना रिकवर मामलों की संख्या नए मामलों से ज्यादा है। अग्रवाल ने कहा कि देशभर में 3 मई को सक्रिय मामले 17.13 फीसदी थे, वे अब 12.1 फीसदी रह गए हैं। रिकवरी रेट 81.7 फीसदी से बढ़कर 86.7 फीसदी हो गई है। पिछले 10 दिनों में सक्रिय मामलों और रिकवर मामलों की तुलना करें तो 10 में से 9 दिनों को रिकवर मामले ज्यादा दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि अब तक पूरे देश में करीब 18 करोड़ कोरोना वैक्सीन की डोज दी गई है। इसमें 18-44 साल के बीच के लोगों को अब तक लगभग 70 लाख डोज दी गई है।

रक्षा मंत्री ने सेना के तीनों अंगों और भारतीय तटरक्षक की प्रशंसा की

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चक्रवाती तूफान तौकते के कारण प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे खोजबीन एवं बचाव अभियानों के लिए सशस्त्र बलों और भारतीय तटरक्षक के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने समुद्र में फंसे लोगों की जान बचाने के लिए भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक की सराहना की, जबकि प्रभावित स्थानों में अपनी टुकड़ियां तैनात करने के लिए भारतीय सेना की तथा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों के परिवहन के लिए भारतीय वायुसेना की सराहना की।

राजनाथ सिंह नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह, सेनाध्यक्ष जनरल एम एम नरवणे, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया और भारतीय तटरक्षक के महानिदेशक

के नटराजन के साथ लगातार संपर्क में हैं। गौरतलब है कि दिनांक 17 मई, 2021 को रक्षा मंत्री ने एक समीक्षा बैठक के दौरान सशस्त्र बलों को आसन्न खड़े चक्रवात से निपटने के लिए नागरिक प्रशासन को हर संभव सहायता देने का निर्देश दिया था।

भारतीय नौसेना तथा भारतीय तटरक्षक (इंडियन कोस्टगार्ड) ने अपने समुद्री और हवाई साजोसामान की तैनाती की है और पिछले कुछ दिन में मुंबई तट से चार नौकाओं से 600 से अधिक लोगों को बचाया है। भारतीय नौसेना के जहाज एवं विमान फिलहाल दिनांक 17 मई, 2021 को मुंबई से 35 मील दूर डूबी एकोमोडेशन बार्ज पी-305 के लापता चालक दल के सदस्यों का पता लगाने के लिए खोजबीन और बचाव (एसएआर) अभियान में शामिल हैं। आईएनएस कोच्चि, कोलकाता, ब्यास, बेतवा, तेग, पी8आई समुद्री निगरानी विमान, चेतक, एएलएच और सीकिंग हेलीकॉप्टर भी खोजबीन व बचाव अभियान में शामिल हैं। आईएनएस तलवार को भी राहत और बचाव कार्य में सहायता प्रदान करने के लिए डायवर्ट किया गया है। दिनांक 20 मई, 2021 को सुबह सात बजे तक बार्ज पी-305 के कुल 186 लोगों को बचाया गया है तथा 37 शव बरामद किए गए हैं।गुजरात तट के करीब आईएनएस तलवार ने सपोर्ट स्टेशन 3 और ड्रिल शिप सागर भूषण की मदद की थी, जिन्हें अब ओएनजीसी के सपोर्ट जहाजों द्वारा वापस सुरक्षित मुंबई लाया जा रहा है। इन जहाजों के 300 क्रू मेंबर्स को मुंबई से आए नौसैनिक हेलीकॉप्टरों द्वारा भोजन और पानी भी उपलब्ध कराया गया।

भारतीय तटरक्षक के जहाज भी खोजबीन और बचाव अभियान में शामिल हैं और उन्होंने केरल, गोवा और लक्षद्वीप तटों के करीब से विभिन्न मछली पकड़ने वाली भारतीय नौकाओं जैसे बधरिया, जीसस, मिलाद, क्राइस्ट भवन, परियानायकी एवं नोवस आर्क के चालक दलों को सुरक्षित लाने में भूमिका निभाई है। आईसीजी तथा भारतीय नौसेना के जहाजों ने न्यू मैंगलोर बंदरगाह के करीब सिंगल पॉइंट मूरिंग (एसपीएम) संचालित हो रहे एमवी कोरोमंडल सपोर्टर के चालक दल के नौ सदस्यों को निकालने के लिए आपसी समन्वय में काम किया।

कोरोना संकट में अनाथ बच्चों को नवोदय विद्यालयों में दी जाए शिक्षा

» सोनिया का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना महामारी के दौरान कई बच्चों ने अपने माता-पिता को खो दिया। परिवार में उनकी देखरेख करने वाला कोई नहीं बचा है। ऐसे में कांग्रेस ने केंद्र सरकार से उनकी शिक्षा और उज्जवल भविष्य के लिए गुहार लगाई है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि उन बच्चों को नवोदय विद्यालयों में मुफ्त शिक्षा देने के बारे में विचार किया जाए, जिन्होंने कोरोना महामारी के कारण अपने माता-पिता या फिर इनमें से किसी एक को खो दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री क पत्र लिखकर कहा कि अनाथ बच्चों के घर में जीविका चलाने वाला अब कोई नहीं बचा है, ऐसे में इन बच्चों को बेहतर भविष्य की उम्मीद देना राष्ट्र के तौर पर हम सबकी जिम्मेदारी है। सोनिया ने कहा, ''कोरोना महामारी की भयावह स्थिति के बीच कई बच्चों का अपने माता-पिता में से किसी एक या फिर दोनों को खोने की खबरें आ रही हैं जो तकलीफदेह हैं। ये बच्चे सदमे में हैं और इनकी सतत शिक्षा और भविष्य के लिए कोई मदद उपलब्ध नहीं है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री और अपने पति राजीव गांधी के कार्यकाल शुरू किए गए नवोदय विद्यालयों का उल्लेख करते कहा कि इस समय देश में 661 नवोदय विद्यालय चल रहे हैं।

मिशन मोड में 200 ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने अपनी यात्रा की पूरी, 13 राज्यों में पहुंचाई सहायता

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेल सभी बाधाओं को पार करते हुए तथा नए समाधान निकाल कर देश के विभिन्न राज्यों में तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाना जारी रखे हुए है। भारतीय रेल द्वारा अभी तक देश के विभिन्न राज्यों में 775 से अधिक टैंकरों में 12630 मीट्रिक टन तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाई गई है।

ज्ञात हो कि लगभग 200 ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियों ने अब तक अपनी यात्राएं पूरी कर ली हैं और विभिन्न राज्यों को सहायता पहुंचाई है।

इस विज्ञप्ति के जारी होने के समय तक 45 टैंकरों में 784 एमटी तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) से भरी 10 ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियां

चल रही हैं।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस द्वारा अब रोजाना 800 एमटी से अधिक एलएमओ देश में पहुंचाई जा रही है।

भारतीय रेलवे का यह प्रयास रहा है कि ऑक्सीजन का अनुरोध करने वाले राज्यों को कम से कम संभव समय में अधिक से अधिक संभव ऑक्सीजन पहुंचाई जा सके।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस द्वारा 13 राज्यों- उत्तराखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, पंजाब, केरल, दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश को ऑक्सीजन सहायता पहुंचाई गई है।

अब तक महाराष्ट्र में 521 एमटी ऑक्सीजन, उत्तर प्रदेश में लगभग 3189, मध्य प्रदेश में 521 एमटी, हरियाणा में 1549 एमटी, तेलंगाना में 772 एमटी, राजस्थान में 98 एमटी, कर्नाटक में 641 एमटी, उत्तराखंड में 320 एमटी, तमिलनाडु में 584 एमटी, आंध्र प्रदेश में 292 एमटी, पंजाब में 111 एमटी, केरल में 118 एमटी तथा दिल्ली में 3915 एमटी से अधिक ऑक्सीजन पहुंचाई गई है।

पूरे देश से जटिल परिचालन मार्ग नियोजन परिदृश्य में भारतीय रेल ने पश्चिम में हापा तथा मुंदड़ा, पूर्व में राउरकेला, दुर्गापुर, टाटा नगर, अंगुल से ऑक्सीजन लेकर उत्तराखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, केरल, दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश को ऑक्सीजन की डिलीवरी की है। ऑक्सीजन सहायता तेज गति से पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ऑक्सीजन एक्सप्रेस माल गाड़ी चलाने में नए और बेमिसाल मानक स्थापित कर रही है। लंबी दूरी के अधिकतर मामलों में माल गाड़ी की औसत गति 55 किलोमीटर से अधिक रही है।

उच्च प्रथमिकता के ग्रीन कॉरिडोर में आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए विभिन्न मंडलों के परिचालन दल अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम कर रहे हैं ताकि तेज संभव समय में ऑक्सीजन पहुंचाई जा सके। विभिन्न सेक्शनों में कर्मियों के बदलाव के लिए तकनीकी ठहराव (स्टॉपेज) को घटाकर 1 मिनट कर दिया गया है। रेल मार्गों को खुला रखा गया है और उच्च सतर्कता बरती जा रही है ताकि ऑक्सीजन एक्सप्रेस समय पर पहुंच सकें। यह सभी काम इस तरह किया जा रहा है कि अन्य माल ढुलाई परिचालन में कमी नहीं आए।

नई ऑक्सीजन लेकर जाना बहुत ही गतिशील कार्य है और आंकड़े हर समय बदलते रहते हैं। देर रात ऑक्सीजन से भरी और अधिक ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियां यात्रा प्रारंभ करेंगी। रेलवे ने ऑक्सीजन सप्लाई स्थानों के साथ विभिन्न मार्गों की मैपिंग की है और राज्यों की बढ़ती हुई आवश्यकता के अनुसार अपने को तैयार रखा है। भारतीय रेल को एलएमओ लाने के लिए टैंकर राज्य प्रदान करते हैं।